

MR. DEPUTY CHAIRMAN: We will examine it and we will make suggestions also. Okay, now Shri Ahamed Hassan. He is absent. Shri Javed Ali Khan.

### **MATTER RAISED WITH PERMISSION - *Contd.***

#### **Alleged closure of the Off-campus centre of the Aligarh Muslim University on grounds of illegality**

**श्री जावेद अली खान** (उत्तर प्रदेश): उपसभापति महोदय, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के अस्तित्व पर जो आप प्रश्न उठ गया है, उसकी तरफ मैं सदन का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूँ। अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी एक्ट के सैक्शन 12 के तहत वहाँ की एकजीक्यूटिव कमेटी और वहाँ की Academic Council ने अलीगढ़ से बाहर पांच ऑफ कैम्पस सेंटर्स खोलने का फैसला किया था। उसमें से तीन अस्तित्व में भी आ गए - मल्लपुरम, किशनगंज और मुर्शिदाबाद में। जो पांच सेंटर्स खोलने का फैसला किया गया था, उनमें से दो अभी अस्तित्व में नहीं आए हैं। इसकी जरूरत 2006 में सच्चर कमेटी की रिपोर्ट आने के बाद महसूस हुई कि अल्पसंख्यकों की हालत दलितों से बदतर है। जब सच्चर कमेटी ने इस तरफ इशारा किया, तो तत्कालीन प्रधान मंत्री डा० मनमोहन सिंह जी की सरकार ने अल्पसंख्यकों के अंदर शिक्षा का प्रचार-प्रसार करने के लिए, शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए, ऐसी नीति बनाई, जिसके तहत अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय ने कानूनी तरीके से उन सेंटर्स को खोलने का निर्णय किया, लेकिन आज अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर का एक बयान आया है, जिसमें वे फरमाते हैं कि हमारी केन्द्रीय मानव संसाधन मंत्री श्रीमती स्मृति जूबिन इरानी जी इन सेंटर्स को गैर-कानूनी करार दे रही हैं और इन्हें मिलने वाली सहायता को बंद करने की धमकी दे रही हैं। उनका बयान मेरे पास है। ऐसी स्थिति है। एक तरफ जहाँ हम "सबका साथ, सबका विकास" का नारा देते हैं, वही समाज के एक बड़े हिस्से को शिक्षा की सुविधाओं से दूर रखना चाहते हैं। ये सेंटर्स पूरी तरह से कानूनी तरीके से बने थे और मैं यह बता दूँ कि अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय की जो संरचना है, वहाँ का जो डिजिजन मेकिंग तरीका है, उसमें भारत के महामहिम राष्ट्रपति जी, उस विश्वविद्यालय के विजिटर होते हैं। अगर कोई भी नीतिगत फैसला अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय की एकजीक्यूटिव कमेटी या वहाँ की Academic Council लेती है, वह तब तक अमल में नहीं आता, जब तक भारत के राष्ट्रपति जी उस पर अपनी स्वीकार्यता नहीं देते हैं। ऐसी स्थिति में, मंत्री जी की तरफ से यह कहना, जो मैं वाइस चांसलर के हवाले से कह रहा हूँ और जैसा अखबारों में उनका बयान छपा है कि ये सेंटर्स गैर-कानूनी हैं, इनको फंड नहीं दिया जा सकता।

मैं चाहूँगा कि सरकार अभी और इसी वक्त इस सवाल पर अपना स्पष्टीकरण दे कि अलीगढ़ विश्वविद्यालय या दूसरे अल्प संख्यक शिक्षण संस्थान...

†جناب جاوید علی خان (اثر پردیش): اب سبھا پتی مہودے، علی گڑھ مسلم یونیورسٹی کے وجود پر جو آج سوال اٹھ گیا ہے، اس کی طرف میں سدن کا دھیان آکرٹ کرنا چاہتا ہوں۔ علی گڑھ مسلم یونیورسٹی ایکٹ کے سیکشن 12 کے تحت وہاں کی

†Transliteration in Urdu Script.

ایکزیکیوٹو کمیٹی اور ہاں کی اکیڈمک کاؤنسل نے علی گڑھ سے باہر پانچ آف کیمپس سینٹرس کھولنے کا فیصلہ کیا تھا۔ اس میں سے تین وجود میں بھی آگئے۔ ملپورم، کشن گنج اور مرشدآباد میں۔ جو پانچ سینٹرس کھولنے کا فیصلہ کیا گیا تھا، ان میں سے دو ابھی وجود میں نہیں آئے۔ اس کی ضرورت 2006 میں سچر کمیٹی کی رپورٹ آنے کے بعد محسوس ہوئی کہ اقلیتوں کی حالت دلتوں سے بدتر ہے۔ جب سچر کمیٹی نے اس طرف اشارہ کیا، تو تتکالین پردھان منتری ڈاکٹر منموہن سنگھ جی کی سرکار نے اقلیتوں کے اندر شکشا کا پرچار-پرسار کرنے کے لئے، شکشا کو بڑھاوا دینے کے لئے، ایسی نیتی بنائی، جس کے تحت علی گڑھ مسلم یونیورسٹی نے قانونی طریقے سے ان سینٹرس کو کھولنے کا فیصلہ کیا، لیکن آج علی گڑھ مسلم یونیورسٹی کے وائس چانسلر کا ایک بیان آیا ہے، جس میں وہ فرماتے ہیں کہ ہماری کیندریہ مانو سنمادھن منتری شریمتی اسمرتی زوبن ایرانی جی نے اس سینٹرس کو غیر قانونی قرار دے رہی ہیں اور انہیں ملنے والی مدد کو بند کرنے کی دھمکی دے رہی ہیں۔ ان کا بیان میرے پاس ہے۔ ایسی حالت ہے، ایک طرف جہاں ہم ”سب کا ساتھ، سب کا وکاس“ کا نعرہ دیتے ہیں، وہی سماج کے ایک بڑے حصے کو شکشا کی سویدھاؤں سے دور رکھنا چاہتے ہیں۔ یہ سینٹرس پوری طرح سے قانونی طریقے سے بنے تھے اور میں یہ بتاؤں کہ علی گڑھ مسلم یونیورسٹی کی جو سہارنا ہے، وہاں کا جو ڈسٹریکٹ میکنگ طریقہ ہے، اس میں بھارت کے مہامہم راشٹری جی، اس یونیورسٹی کے وزیر ہوتے ہیں۔ اگر کوئی بھی نیتی گت فیصلہ علی گڑھ مسلم یونیورسٹی کی ایکزیکیوٹو کمیٹی یا وہاں کی اکیڈمک کاؤنسل لیتی ہے، وہ تب تک عمل میں نہیں آتا، جب تک بھارت کے راشٹری جی اس پر اپنی منظوری نہیں دیتے ہیں۔ ایسی حالت میں، منتری کی طرف سے یہ کہنا، جو میں وائس چانسلر کے حوالے سے کہہ رہا ہوں اور جیسا اخباروں میں ان کا بیان چھپا ہے کہ یہ سینٹرس غیر قانونی ہیں، ان کو فنڈ نہیں دیا جاسکتا۔

میں چاہوں گا کہ سرکار ابھی اور اسی وقت اس سوال پر اپنی وضاحت کرے کہ علی گڑھ یونیورسٹی یا دوسرے اقلیتی تعلیمی ادارے۔

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Your time is over. It is not going on record.

SHRI JAVED ALI KHAN: \*

श्री मुनक्राद अली (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं इससे अपने आपको सम्बद्ध करता हूँ।

श्री नरेन्द्र कश्यप (उत्तर प्रदेश) : महोदय, मैं इससे अपने आपको सम्बद्ध करता हूँ।

श्री अरविन्द कुमार सिंह (उत्तर प्रदेश) : महोदय, मैं इससे अपने आपको सम्बद्ध करता हूँ।

श्री प्रमोद तिवारी (उत्तर प्रदेश) : महोदय, मैं इससे अपने आपको सम्बद्ध करता हूँ।

श्री राम नाथ ठाकुर (बिहार) : महोदय, मैं इससे अपने आपको सम्बद्ध करता हूँ।

श्री परवेज़ हाशमी (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली) : महोदय, मैं इससे अपने आपको सम्बद्ध करता हूँ।

श्री आलोक तिवारी (उत्तर प्रदेश) : महोदय, मैं इससे अपने आपको सम्बद्ध करता हूँ।

SHRI SHARAD YADAV (Bihar): Mr. Deputy Chairman, Sir, I associate myself with the issue raised by the hon. Member.

SHRI D. RAJA (Tamil Nadu): Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

SHRI TAPAN KUMAR SEN (West Bengal): Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

SHRI T. K. RANGARAJAN (Tamil Nadu): Sir, I too associate myself with the issue raised by the hon. Member.

SHRIMATI JAYA BACHCHAN (Uttar Pradesh): Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

SHRI SITARAM YECHURY (West Bengal): Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

KUMARI SELJA (Haryana): Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

SHRI K. N. BALAGOPAL (Kerala): Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

SHRI RITABRATA BANERJEE (West Bengal): Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

---

\*Not recorded.

SHRI MADHUSUDAN MISTRY (Gujarat): Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

SHRI MOTILAL VORA (Chhattisgarh): Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

SHRI P. L. PUNIA (Uttar Pradesh): Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

SHRI HUSAIN DALWAI (Maharashtra): Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

SHRI K.K. RAGESH (Kerala): Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

DR. T. N. SEEMA (Kerala): Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

SHRI ANAND SHARMA (Rajasthan): Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

SHRI DIGVIJAYA SINGH (Madhya Pradesh): Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The whole House associates with the issue raised by Shri Javed Ali Khan.

**अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुख्तार अब्बास नकवी):** सर, ऑनरेबल मेम्बर ने अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी से संबंधित जो मुद्दा उठाया है, मैं उनको अवगत कराना चाहता हूँ कि अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी को माइनॉरिटी स्टेटस मिला हुआ है और सेंट्रल यूनिवर्सिटी के रूप में स्वीकृति मिली हुई है। इस देश में हजारों माइनॉरिटी इंस्टीट्यूशंस हैं, जिनको संविधान ने सुरक्षा दी है और उनकी सुरक्षा के प्रति हमारी सरकार पूरी तरह से प्रतिबद्ध है।

जहां तक अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी का प्रश्न है, वह एक सेंट्रल यूनिवर्सिटी है, इसके साथ ही साथ उसे माइनॉरिटी इंस्टीट्यूशन का दर्जा भी प्राप्त है, इसलिए यह मैटर कोर्ट में है। निश्चित तौर से कोर्ट जो डिजीजन लेगा, उस डिजीजन के प्रति हम सबकी प्रतिबद्धता होनी चाहिए। ...**(व्यवधान)**...

दूसरा, इसके अलावा हजारों ऐसे इंस्टीट्यूशंस हैं, जिनको माइनॉरिटी स्टेटस मिला हुआ है। उनकी सुरक्षा के लिए संविधान में जो व्यवस्था दी गई है, उसके अनुसार हम उन्हें पूरी तरह से सुरक्षित रखेंगे। ...**(व्यवधान)**... उनकी सुरक्षा को किसी भी तरह की ठेस नहीं पहुंचेगी, यह हम आपको विश्वास दिलाते हैं। इसके अतिरिक्त जो विषय माननीय ...**(व्यवधान)**...

SHRI DIGVIJAYA SINGH: Sir, the Government has withdrawn the Affidavit in the Supreme Court. ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: It is an off campus issue.

**श्री शरद यादव:** महोदय, हमारा सम्पूर्ण विरोध इसी पर है। हमारा पूरा विरोध इस बात पर है कि जो संस्थान पूरी तरह से संविधान सम्मत है, जिसका समाधान हो गया था, लेकिन कोर्ट में एफिडेविट देकर आप सारा काम खराब कर रहे हैं। ...*(व्यवधान)*... यह ठीक बात नहीं है। सरकार को इसे वापस करना चाहिए और जो माइनॉरिटी स्टेटस है, उसको फिर से लागू करना चाहिए। ...*(व्यवधान)*... आपने जो एफिडेविट लगाया है, उसी के चलते विवाद है और उसी के चलते सभी तरह की परेशानी बनी हुई है। ...*(व्यवधान)*...

SHRI DIGVIJAYA SINGH: Sir, I totally agree with what Sharad Yadavji has said. The present Government has withdrawn the Affidavit given to the Supreme Court by UPA Government. ...*(Interruptions)*... He is misleading the House. ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: No, no. No further discussion. ...*(Interruptions)*... Now, Shri Sharad Yadav for the next Zero Hour submission. ...*(Interruptions)*... No discussion on this. ...*(Interruptions)*...

SHRI ANAND SHARMA: This cannot be accepted. ...*(Interruptions)*... It is a serious matter. ...*(Interruptions)*... The entire House is opposing this, ...*(Interruptions)*... The Government has to explain.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: It is a serious matter. ...*(Interruptions)*... But, the point is, we cannot have a discussion on Zero Hour. ...*(Interruptions)*...

SHRI SITARAM YECHURY: Sir, one minute. ...*(Interruptions)*... What the hon. Minister answered, is not the issue that has been raised. This is number one. The second question is: Today's Government has withdrawn an Affidavit submitted by the earlier Government and given a new Affidavit which is a cause of the problem. ...*(Interruptions)*...

SHRI ANAND SHARMA: That is the root cause of the problem. ...*(Interruptions)*...

SHRI SITARAM YECHURY: Sir, this is a serious matter. ...*(Interruptions)*... Aligarh Muslim University...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: So, what can I do? ...*(Interruptions)*... It is Zero Hour.

SHRI SITARAM YECHURY: Therefore, what you have to do is to use your good

offices to persuade the Government to withdraw their Affidavit. That is what has to be done.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: That is a legal matter.

SHRI SITARAM YECHURY: Otherwise, they should answer what is the Affidavit and why have they changed it? ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: If you want discussion, you give a notice. ...*(Interruptions)*... Give notice. Then, it can be considered for discussion.

SHRI ANAND SHARMA: Sir, let me make a submission for your consideration. Since this is a serious matter, the Government needs to explain why it changed the Affidavit filed by the UPA Government. You have to explain it. And, why are you targeting the minority institutions and the universities?

MR. DEPUTY CHAIRMAN: If you want discussion, you give a notice.

SHRI ANAND SHARMA: Sir, the House demands for a debate.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Then, you give notice if you want debate.

SHRI ANAND SHARMA: That can be accepted now.

**श्री मुख्तार अब्बास नक़वी:** आपने अभी तक कितने एफिडेविट कोर्ट में जमा किए हैं, कितने एफिडेविट चेंज किए हैं, क्या आपने कभी उनके बारे में हाउस में आकर बताया था? ...*(व्यवधान)*... आप जो एफिडेविट कोर्ट में देंगे, क्या वे हमसे पूछकर देंगे? ...*(व्यवधान)*...

**श्री आनंद शर्मा:** आप उस बात को बीच में मत लाइए। ...*(व्यवधान)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Okay. That is all. No more discussion. ...*(Interruptions)*...

**श्री मुख्तार अब्बास नक़वी:** हमने आपसे कहा कि matter is *sub judice*. ...*(व्यवधान)*... जब यह मैटर कोर्ट में है, तो कोर्ट के दायरे में उस मैटर पर निर्णय होने दीजिए। ...*(व्यवधान)*... इस पर हमारा कोई पूर्वाग्रह नहीं है। ...*(व्यवधान)*...

**श्री सीताराम येयुरी:** ये गलत कह रहे हैं। ...*(व्यवधान)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Let us go to the next item. Shri Sharad Yadav. ...*(Interruptions)* ...

**श्री मुख्तार अब्बास नक़वी:** हम यही चाहते हैं कि अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय का सम्मान बरकरार रहना चाहिए। ...*(व्यवधान)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: No, no. It is over. *...(Interruptions)...* Hon. Members, it is a Zero Hour matter. I cannot allow discussion now. If you want discussion, give proper notice. *...(Interruptions)...* Give proper notice. *...(Interruptions)...*

SHRI SITARAM YECHURY: Sir, what has gone on record in the House is misleading. *...(Interruptions)...* It is misleading. *...(Interruptions)...*

MR. DEPUTY CHAIRMAN: If he is misleading..

SHRI SITARAM YECHURY: Secondly, Sir, please understand, it has got the potential of a very big communal flare. *...(Interruptions)...* That is the danger and our House can't be a party to it.

श्री आनन्द शर्मा: सर, *...(व्यवधान)...* मंत्री सदन को बार-बार गुमराह करते हैं। *...(व्यवधान)...* गलत बयान देते हैं। *...(व्यवधान)...*

MR. DEPUTY CHAIRMAN: If he has misled, then there is a provision in the Rule Book. You can invoke that. This is number one. If you want a discussion, you may give a notice. What can I do now? *...(Interruptions)...*

SHRI SITARAM YECHURY: Sir, our House can't be a party to the communal polarization. *...(Interruptions)...*

SHRI JAVED ALI KHAN: sir, please allow me. *...(Interruptions)...*

MR. DEPUTY CHAIRMAN: That is over. His Zero Hour time is over. I can't allow him. No, please. *...(Interruptions)...* I am requesting the hon. Members that his Zero Hour time is over. If you want a discussion on this, please give a notice. I can't allow a discussion now. *...(Interruptions)...* If he has misled, then invoke the rules. *...(Interruptions)...* There is a provision in the rules and you can invoke that if he has misled the House. *...(Interruptions)...*

SHRI ANAND SHARMA: Sir, he is not taking note of what we are saying. *...(Interruptions)...*

MR. DEPUTY CHAIRMAN: I can't do anything more than that. Please give a notice. *...(Interruptions)...*

SHRI SITARAM YECHURY: Sir, I suggest that you expunge from the records all that the Minister has said. *...(Interruptions)...*

SHRI ANAND SHARMA: Please expunge that. *...(Interruptions)...*

MR. DEPUTY CHAIRMAN: If you want me to expunge, I will go through the

records. I can't do it now because I am not convinced either way. ...(Interruptions)... To expunge, I have to be convinced. I am not convinced either way. I will go through the records and take a decision if there is anything to be expunged. ...(Interruptions)...

SHRI SITARAM YECHURY: Sir, we will give a notice. But this assertion by the Minister will only contribute to sharpening communal polarization in the country.

SHRI MUKHTAR ABBAS NAQVI: Sir, we are neither supporting nor opposing. ...(Interruptions)... सर, मैंने यह बताया है कि जो ऑनरेबल मेम्बर ने कहा है ...(व्यवधान)... जो माइनॉरिटी इंस्टीट्यूशंस हैं, उनके माइनॉरिटी स्टेटस को, जो कांस्टीट्यूशन ने अधिकार दिये हैं, उनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी ...(व्यवधान)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: I am going to the next Zero Hour mention by Shri Sharad Yadav. ...(Interruptions)...

श्री मुख्तार अब्बास नकवी: जहां तक अलीगढ़ मुस्लिम युनिवर्सिटी का सवाल है, the matter is in the Court. ...(Interruptions)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: I can't allow Mr. Khan. His Zero Hour time is over. ...(Interruptions)... You have to give another notice. ...(Interruptions)... Mr. Khan, I can't allow you. Shri Sharad Yadav, I can't allow him. His Zero Hour time is over. ...(Interruptions)...

श्री जावेद अली खान: सर, यह इस सदन की गरिमा का सवाल है। ...(व्यवधान)... देश के  
[جناب جاوید علی خان : سر، یہ اس سدن کی گریمہ کا سوال ہے۔۔۔ (مداخلت)۔۔۔ دیش کے  
لوکتنتر کا سوال ہے۔۔۔ (مداخلت)۔۔۔]

MR. DEPUTY CHAIRMAN: I would request you to please calm down. Now, Shri Sharad Yadav to make a mention on Special Package to the State of Bihar. ...(Interruptions)... शरद यादव जी, आप अपना Zero Hour submission बोलिए। ...(व्यवधान)... Nothing else will go on record. ...(Interruptions)... You may give another notice.

SHRI JAVED ALI KHAN: \*

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Khan can give another notice and Mr. Chairman may consider that. Please sit down. Shri Sharad Yadav, speak on Special Package to Bihar. ...(Interruptions)... Okay. ...(Interruptions)... That is enough; now go back.

†Transliteration in Urdu Script.



...(Interruptions)... Please ...(Interruptions)... Please go back. ...(Interruptions)... Please go back. ...(Interruptions)... Please ...(Interruptions)... There will be no solution. ...(Interruptions)... I would request ...(Interruptions)... I would request you, please give notice. We can have a discussion. ...(Interruptions)... What are you doing? ...(Interruptions)... Listen ...(Interruptions)... Please. ...(Interruptions)... One minute. ...(Interruptions)... I would request the agitated Members, if you want the result, then give a notice. Hon. Chairman will consider. We can have a discussion. ...(Interruptions)... By shouting slogans, nothing will happen. ...(Interruptions)... You will not get the result. ...(Interruptions)... Are you interested in getting the result? ...(Interruptions)... Then you allow a discussion. ...(Interruptions)... I have told you, I will examine that. ...(Interruptions)...

**प्रो. राम गोपाल यादव** (उत्तर प्रदेश): सर, ऑनरेबल मिनिस्टर का बयान पहले expunge किया जाए। ...**(व्यवधान)**...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: If anything expungeable is there, I will do that. ...**(Interruptions)**... I will do that. ...**(Interruptions)**...

#### **A Sikh boy assaulted in Australia**

**श्री अविनाश राय खन्ना** (पंजाब): सर, मैं आपके सामने और इस सदन के सामने एक घटना के बारे में बताना चाहता हूँ। जब ऑस्ट्रेलिया में एक सिख लड़का बस में सफर कर रहा था तो तीन ऑस्ट्रेलियंस - दो लड़के और एक लड़की ने उसको डराया, धमकाया और उसकी पगड़ी के साथ छेड़खानी की। यह एक बहुत ही धिनौनी हरकत ऑस्ट्रेलिया में की गई है। ...**(व्यवधान)**... सर, जीरो ऑवर। ...**(व्यवधान)**...

**श्री उपसभापति**: ठीक है, बोलिए। ...**(व्यवधान)**...

**श्री अविनाश राय खन्ना**: सर, मैं इनके ध्यान में लाना चाहता हूँ कि यह एक बच्चे, एक सिख बच्चे के ऑनर की बात है, जिसके साथ आस्ट्रेलिया में, जब वह बस में सफर कर रहा था, उसकी पगड़ी के साथ और उसके साथ धिनौनी हरकत की गई है। उसको टीज़ किया गया है। अगर वहाँ पर रहने वाले भारतीयों के साथ ऐसी हरकतें होती रहेंगी तो उन लोगों के मन में एक डर का वातावरण बना रहेगा। सर, मैं निवेदन करता हूँ कि इस घटना को ऑस्ट्रेलिया सरकार के सामने लाकर, वहाँ पर रहने वाले पंजाब के जो लोग हैं, जो सिख लोग हैं, जो भारतीय हैं, उनकी सुरक्षा की गारंटी ऑस्ट्रेलियन गवर्नमेंट से ली जाए, ताकि ऐसी घटनाएं न हों। अगर उस घटना की सारी रिपोर्ट्स को पढ़ा जाए, तो उससे पता चलता है कि आज वह बच्चा डरा हुआ है, वह स्कूल जाने को तैयार नहीं है। उसकी माता डरी हुई है और उसका परिवार डरा हुआ है। सर, यह एक immediate action लेने वाली बात है। इसलिए मैं चाहूंगा कि भारत सरकार ऑस्ट्रेलिया की सरकार के साथ इस मैटर को टेकअप करके वहाँ रह रहे हमारे पंजाबी भाइयों, जो कि भारतीय हैं, उनकी सुरक्षा की गारंटी ले, ताकि नस्लवाद के नाम पर वहाँ भेदभाव न हो। ...**(व्यवधान)**... सर, हम वहाँ इज्जत के साथ जीना चाहते हैं।